सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 179 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 3 अगस्त, 2024
मूल्य ₹ 3/-

हर बार जब मैं एक बच्चे को मुक्त कराता हूं, मुझे लगता है ये भगवान के कुछ करीब है।
-कैलाश सत्यार्थी

इंडिया-श्रीलंका का पहला वनडे बराबरी... 7 | जरूरत या राजनीति: जाति है जो... 3 | क्रीमीलेयर की व्यवस्था जायज... 2

अयोध्या मामले में गरमाई यूपी की सियासत

भाजपा व सपा में मुद्दे को लेकर तीखी टकरार

विपक्ष बोला- पूरी जांच के बाद दोषी पर हो एक्शन

» योगी सरकार ने शुरू की कार्रवाई

» पूराकलंदर थानाध्यक्ष व भदरसा चौकी इंचार्ज सस्पेंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या के भदरसा क्षेत्र में गैंग रेप का शिकार हुई पीड़ित किशोरी के मामले में यूपी की सियासत गरमाई हुई है। चूकि आरोपी सपा से जुड़ा हुआ है तो बीजेपी भी सपा मुखिया पर हमलावार है। वहीं सपा ने भी कहा है अपराधी कोई भी हो अगर सबूत है तो उस पर कार्रवाई हो पर निर्दोष पर कार्रवाई अन्याय होगा। अयोध्या में 12 साल की बच्ची से कथित सामूहिक बलात्कार मामले को लेकर भी सपा और भाजपा के बीच जुबानी जंग जारी है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने विस में बोलते हुए कहा था कि गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों में से एक मोइद खान सपा सदस्य था, लेकिन पार्टी ने उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। उधर पीड़ित किशोरी की मां से सीएम से मुलाकात के बाद पुलिस और प्रशासनिक तंत्र हरकत में आ गया। चौकी इंचार्ज और थानाध्यक्ष को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ मुख्य आरोपी मोईद की प्रॉपर्टी की जांच शुरू हो गई है।

पीड़िता की मां से सीएम योगी ने की मुलाकात

पीड़ित किशोरी को लेकर बीकापुर विधानसभा के विधायक अमित चौहान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने गए। पीड़िता के साथ शुरुआत से रही समाजसेवी मंजू निषाद भी साथ गई उनकी मानें तो मुख्यमंत्री ने पहले पूरी घटना के बारे में पूछा जिसमें उन्होंने मुकदमा देर से दर्ज करने के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहें किसी भी पार्टी का अपराधी हो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। इसके साथ उन्होंने आर्थिक मदद देने के लिए भी निर्देश दिए।

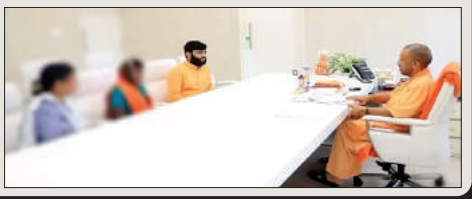

सपा का मतलब गुंडागर्दी और अपराध को संरक्षण : केशव प्रसाद मौर्य

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की आलोचना करते हुए उनकी पार्टी पर सुशासन और विकास को कायम रखने के बजाय गुंडागर्दी को बढ़ावा देने और अपराधियों को बचाने का आरोप लगाया। कांग्रेस के मोहरे सपा प्रमुख अखिलेश यादव भले ही मुंगेरीलाल जैसे सपने देखें, लेकिन ये कभी हकीकत में नहीं बदलेंगे। उन्होंने कहा कि 2027 में होने वाले अगले विधानसभा चुनाव में बीजेपी का प्रतीक कमल फिर से खिलेगा।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव कब बोलेंगे : संजय निषाद

यूपी सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद ने शनिवार को जिला महिला अस्पताल में पीड़िता के परिजनों से मुलाकात की। बाहर निकल कर मीडिया से बात कर वह परिजनों का हाल बताते हुए रो पड़े। उन्होंने सीएम योगी का धन्यवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने त्वरित कार्रवाई कर निषाद समाज को न्याय दिलाने का काम किया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमलावर होते हुए कहा कि उनका पीडीए का फॉर्मूला सिर्फ दिखावा है। अब तक उन्होंने इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया है और न ही आरोपी नेता को पार्टी से निकाला है।

बेकरी ढहाने बुलडोजर भी पहुंचा

वहीं, शनिवार सुबह ही प्रशासन की टीम आरोपी सपा नेता मोईद खान की बेकरी ढहाने बुलडोजर लेकर पहुंच गई है। बेकरी का लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद हैं। सहायक खाद्य आयुक्त मानिकचंद सिंह ने छापामारी की कार्रवाई की। इस दौरान बेकरी में बन रहे खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। इसके बाद बेकरी को सील कर दिया गया है। सहायक आयुक्त मानिक चंद ने बताया कि बेकरी का लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

केवल आरोप लगाकर सियासत न की जाए : अखिलेश

कुकृत्य के मामले में जिन पर भी आरोप लगा है उनका डीएनएन टेस्ट कराकर इंसाफ का रास्ता निकाला जाए न कि केवल आरोप लगाकर सियासत की जाए। जो भी दोषी हो उसे कानून के हिसाब से पूरी सजा दी जाए लेकिन अगर डीएनए टेस्ट के बाद आरोप झूठे साबित हों तो सरकार के संलिप्त अधिकारियों को भी न बख्शा जाए। यही न्याय की मांग है।

फिर एकबार मणिपुर में भड़की हिंसा, चली गोलियां

» मैतेई-हमार समुदाय में शांति समझौते के 24 घंटे के अंदर घरों में आगजनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में हिंसा रूकने का नाम नही ले रही है। एक ओर राज्य के जिरीबाम में शांति कायम करने को लेकर मैतेई और हमार समुदाय के बीच सहमति बनी। वहीं सहमति के 24 घंटे के भीतर जिरीबाम में हिंसा हो गई। यहां एक मैतेई बस्ती में गोलियां चलाई गईं। वहीं लालपानी गांव में एक घर में आग लगा दी गई। दरअसल मैतेई और हमार समुदाय के प्रतिनिधि मणिपुर के हिंसा प्रभावित जिरीबाम जिले में हालात सुधारने और शांति बहाल करने के लिए साथ काम करने को सहमत हो हुए थे।

असम के कछार में गुरुवार को सीआरपीएफ सुविधा केंद्र में आयोजित बैठक में आमने-सामने खड़े दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ था। इसमें तय किया गया कि दोनों पक्ष सामान्य स्थिति लाने, आगजनी तथा गोलीबारी की घटनाओं को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। दोनों पक्ष जिरीबाम जिले में तैनात सभी सुरक्षा बलों की मदद करेंगे। दोनों पक्ष नियंत्रित और समन्वित आवाजाही को सुविधाजनक बनाएंगे। सभी सहभागी समुदायों के प्रतिनिधियों ने इस दौरान वादों से जुड़ा बयान जारी किया। इस पर सभी के हस्ताक्षर थे। इस सहमति के 24 घंटे के अंदर जिरीबाम के लालपानी गांव में हिंसा हुई। गांव के एक घर में शुक्रवार रात हथियारबंद लोगों ने आग लगा दी। साथ ही गांव को निशाना बनाकर कई राउंड गोले दागे और गोलियां भी चलाईं। घटना के बाद सुरक्षा बलों को इलाके में भेजा गया।

फाइल फोटो

जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं

पिछले साल मई से इंफाल घाटी के मैतेई और आसपास की पहाड़ियों पर स्थित कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। जातीय रूप से विविधतापूर्ण जिरीबाम इंफाल घाटी और आसपास की पहाड़ियों में जातीय हिंसा से काफी हद तक अछूता था। हालांकि, इस साल जून में खेतों में एक किसान का क्षत-विक्षत शव मिलने के बाद यहां भी हिंसा शुरू हो गई। दोनों पक्षों की ओर से की गई आगजनी की घटनाओं के कारण हजारों लोगों को अपने घर छोड़कर राहत शिविरों में जाना पड़ा।

यूपी के बरेली में बवाल तोड़फोड़ और आगजनी

बरेली के सिरौली थाना क्षेत्र के गांव चंदपुरा शिवनगर में युवती को जबरन साथ ले जाने के आरोपी युवक के घर में शुक्रवार की देर रात तोड़फोड़ और आगजनी की घटना करने वालों ने जब पुलिस पर ही हमला कर दिया तो पूरे गांव को छावनी बना दिया गया। इंस्पेक्टर के मुताबिक एक दिन पहले मामले की जानकारी हुई थी। इसके बाद पुलिस सक्रिय हुई। बृहस्पतिवार को युवती मिलने के बाद उसके परिजनों ने लिखकर दिया था कि वे कोई कार्रवाई नहीं चाहते। इससे पुलिस को भी इतने बड़े बवाल की आशंका नहीं थी, लेकिन शुक्रवार की रात ग्रामीणों ने आरोपी के घर पर हमला कर दिया। भीड़ देखकर उसके परिवार वाले जान बचाकर भाग गए। इसके बाद भीड़ ने युवक के मकान की चहारदीवारी ढह दी। अंदर घुसकर रसोई और घर में ही संचालित परचून की दुकान में तोड़फोड़ करते हुए आग लगा दी। गुस्साए लोग यहीं नहीं थमे और पांच कमरों से सामान बाहर निकालकर पूरा मकान ही आग के हवाले कर दिया। तोड़फोड़ व आगजनी की सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस नाकाफी साबित हुई।

क्रीमीलेयर की व्यवस्था जायज नहीं : राजेंद्र चौधरी

आरक्षण के भीतर आरक्षण की पक्षधर नहीं सपा, ओबीसी कोटे में कोटा देने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के अनुसूचित जाति-जनजाति (एससी-एसटी) कोटे के भीतर कोटा वैधानिक ठहराने के बाद यूपी में ओबीसी आरक्षण के भीतर आरक्षण देने की मांग गरमा गई है। सपा व बसपा ने जहां इसका विरोध किया है वहीं कांग्रेस व भाजपा मौन है। हालांकि एनडीए के कुछ सहयोगी भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से नाराज हैं। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि एससी-एसटी के आरक्षण के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का अध्ययन कर रहे हैं। ऐसे में कुछ कह पाने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि सपा ओबीसी आरक्षण में किसी भी तरह के बंटवारे की पक्षधर नहीं है। हम क्रीमीलेयर की व्यवस्था को भी जायज नहीं मानते हैं।

एनडीए में शामिल सुभासपा के महासचिव अरुण राजभर ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि ओबीसी में भी आरक्षण के भीतर आरक्षण लागू किया जाना चाहिए। भाजपा एमएलसी व डॉ. अंबेडकर महासभा ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने संपन्न दलितों से आरक्षण का लाभ न लेने का आह्वान किया है। अलबत्ता, बसपा आरक्षण के बंटवारे के पक्ष में नहीं है। सपा भी ओबीसी आरक्षण में बंटवारे और क्रीमीलेयर की व्यवस्था के पहले से ही खिलाफ है। आरक्षण के भीतर आरक्षण के समर्थकों का कहना है कि ओबीसी आरक्षण का यादव और कुर्मियों ने अधिक फायदा लिया है। इसलिए अब अति पिछड़ों पर अलग से ध्यान दिया जाना चाहिए। इसी तरह से दलितों में वाल्मीकि, धानुक और डोम सरीखी जातियों को कम लाभ मिलने की बात समय-समय पर उठती रही है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स के माध्यम से कहा कि सामाजिक उत्पीड़न की तुलना में राजनीतिक उत्पीड़न कुछ भी नहीं है। क्या देश के खासकर करोड़ों दलित व आदिवासियों का जीवन द्वेष व भेदभाव से मुक्त आत्म सम्मान व स्वाभिमान का हो पाया है। अगर नहीं तो फिर जाति के आधार पर तोड़े व पछाड़े गए इन वर्गों के बीच आरक्षण का बंटवारा कितना उचित?

एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर का प्रावधान न लाया जाए : अठावले

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि एससी-एसटी वर्ग की जातियों का उप वर्गीकरण किया जाना चाहिए। इससे समूह में पिछड़ी जातियों को लाभ मिलेगा। लेकिन एसी-एटी आरक्षण में क्रीमी लेयर का प्रावधान न लाया जाए। अगर ऐसा किया गया तो हमारी पार्टी इसका विरोध करेगी। रिपब्लिकन पार्टी ऑन इंडिया (अठावले) के प्रमुख और सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने ओबीसी और सामान्य श्रेणी के सदस्यों के लिए भी समान उप-वर्गीकरण की मांग की। अठावले ने कहा कि एससी-एसटी के लिए आरक्षण जाति पर आधारित है। एससी और एसटी के आरक्षण में क्रीमी लेयर के प्रावधान लागू करने के किसी भी कदम का आरपीआई (ए) कड़ा विरोध करेगी। अठावले ने कहा कि देश में 1,200 अनुसूचित जातियां हैं। इनमें से 59 महाराष्ट्र में हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तहत

महाराष्ट्र सरकार को अनुसूचित जातियों का अध्ययन करने और उन्हें ए, बी, सी, डी में उप-वर्गीकृत करने के लिए एक आयोग बनाना चाहिए। इससे एससी में आने वाली सभी जातियों को न्याय मिलेगा।

बिहार को विशेष राज्य की मांग से जदयू ने किया किनारा

» 2025 में मिलेगा और बड़ा पैकेज : भगवान सिंह कुशवाहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

औरंगाबाद। बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की मांग को जदयू ने फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया है। पार्टी के बड़े नेता भी अब इस मांग से कन्नी काट रहे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और विधान पार्षद भगवान सिंह कुशवाहा ने विशेष राज्य की मांग पर कन्नी काटते हुए कहा कि बिहार विभाजन के पहले से पार्टी यह मांग करती रही है।

उस वक्त राज्य की परिस्थितियां विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने लायक थीं, लेकिन कतिपय कारणों से यह मांग पूरी नहीं हो सकी। इसके बावजूद पार्टी की यह मांग बनी रही। पार्टी आज भी यह चाह रही है कि राज्य को विशेष दर्जा मिले, लेकिन बिहार अभी विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने के नीति आयोग के मानक पर फिट नहीं बैठ

रहा है। भगवान कुशवाहा ने कहा कि हालांकि नीति आयोग में हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह हैं। अब अगर पार्टी विशेष राज्य के दर्जे की मांग को लेकर जबरदस्ती करेगी तो और भी राज्य मानक के विपरीत विशेष राज्य के दर्जे की मांग करने लगेंगे। उन्हें उम्मीद है कि भविष्य में मानक बदलेंगे और अनुकूल स्थिति भी आएगी। उन्होंने कहा कि अभी जो केंद्रीय बजट में 59 हजार करोड़ का विशेष पैकेज मिला है, वह राज्य के केंद्रीय कर के 45 प्रतिशत हिस्से की अतिरिक्त राशि है। वहीं, जदयू नेता भगवान कुशवाहा ने दावा किया कि अभी यह विशेष पैकेज तो एक झांकी है। 2025 आने दीजिए, केंद्र से इतनी बड़ी राशि बिहार को मिलेगी, जिसकी कल्पना नहीं कर सकते हैं।

नीतीश और मोदी सरकार पर भरोसा नहीं : तेजस्वी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। 22 से 26 जुलाई तक बिहार विधानमंडल का सत्र पहले से तय था। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव बिहार विधानसभा के सदस्य भी हैं और विपक्ष के नेता भी। पांच दिवसीय सत्र में वह गैरहाजिर रहे और नेतृत्व विहीन विपक्ष ने हर बात पर वाकआउट से ज्यादा कुछ नहीं किया।

बाहर सरकार को घेरते रहने वाले तेजस्वी यादव सत्र के समय पटना आ भी गए तो अंतिम दोनों दिन उनका इंतजार ही होता रहा। अब तेजस्वी यादव पूरे एक हफ्ते बाद मीडिया के सामने आए और उसी बात से शुरुआत की, जिसपर विपक्ष ने विधानसभा को लंबे समय तक बाधित रखा। तेजस्वी यादव ने कहा कि अब राजद आरक्षण को लेकर सड़क से कोर्ट तक जाएगा। तेजस्वी ने कहा बिहार सरकार जातीय गणना करवाकर आरक्षण की सीमा को 75 प्रतिशत तक लेकर गई। इसके बाद भी हमलोगों को आशंका थी कि भाजपा के लोग किसी न किसी तरह से कोर्ट में अपने मुहरों को खड़ा करवा आरक्षण को प्रभावित करने की कोशिश करेगी। इसीलिए हमलोगों ने मांग रखी थी कि थी कि तमिलनाडु की तर्ज पर बिहार में आरक्षण व्यवस्था को शेड्यूल नौ पर डाल जाए, ताकि इससे कोई छेड़खानी न हो। इसको लेकर हमलोग केंद्र सरकार से मिले थे। लेकिन, कोई फायदा नहीं हुआ। तेजस्वी ने कहा कि भाजपा आरक्षण के खिलाफ है। हमलोग आरक्षण को अनुसूची 9 में डालने की मांग कर रहे थे। लेकिन, हमारी मांग पूरी नहीं हुई। इसीलिए हमलोगों ने अब सड़क पर उतरने का फैसला लिया है।

बोले- अब हम जाएंगे कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट में राजद अलग से आरक्षण पर रखेगा पक्ष

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा आरक्षण के मामले पर पारदर्शिता नहीं रखी गई है। मुख्यमंत्री चुप हैं। नीतीश कुमार इतनी सीट लाने के बावजूद सुपर फ्लॉप हो चुके हैं। क्या-क्या नहीं किया गया था बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के लिए! अब नीतीश कुमार के समर्थन वाली सरकार खुद कह रही है कि हमलोग विशेष राज्य का दर्जा नहीं देंगे। अनुसूची 9 पर भी भारत सरकार तैयार नहीं हो रही है। जदयू की बात ही भाजपा वाले नहीं सुन रहे हैं। न विशेष राज्य का दर्जा मिला और न ही आरक्षण। आरक्षण की लड़ाई को लेकर हमलोग सड़क पर आंदोलन तो करेंगे ही और कोर्ट में अपना पक्ष रखेंगे। अगले सोमवार तक हमलोग अपना पक्ष सुप्रीम कोर्ट में रखेंगे। कोर्ट में बिहार सरकार के क्या पक्ष रख रही है इसपर राजद और बिहार की जनता को भरोसा नहीं है। इसीलिए हमलोग इस मुद्दे पर कोर्ट जाएंगे।

भाजपा सरकार सिर्फ धर्म की राजनीति करना जानती है : इकरा हसन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के कैराना लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद इकरा हसन चौधरी ने यूपी की योगी सरकार पर जोरदार हमला किया है। इकरा ने धर्मांतरण से जुड़े कानून में किए गए बदलाव पर बात करते हुए योगी सरकार पर कई सवाल खड़े किए।

इकरा हसन ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार सिर्फ धर्म की राजनीतिक करना जानती है, इसी तरीके से सिविल मैटर में जिस तरह से राज्य सरकार दखल दे रही है, वह लोकतांत्रिक ढ़ांचे को कमोजर करती है। इकरा ने कहा कि जब यह विषय समाज में पहले से है। हमारे क्षेत्र में भी इस तरह

के मामले हुए हैं और मौजूदा कानून के तहत कार्रवाई भी हो रही है। जब कोई बालिग अपनी सहमति से संविधान में दिए अधिकारों का इस्तेमाल कर रहे हैं तो इसमें सरकार को दखल देने की जरूरत है ही नहीं। अगर कहीं फंसाकर या गलत तरीके से धर्मांतरण कराया जा रहा है तो हमारे पास जो पहले से कानून हैं वो पर्याप्त हैं, लेकिन भाजपा धर्म की राजनीति की वजह से ऐसा कर रही है, कांवड़ यात्रा के दौरान इन्होंने नेम प्लेट लगाने का जो आदेश दिया था वो इसी के तहत था।

जरूरत या राजनीति : जाति है जो जाती नहीं !

जाति के मुद्दे पर संसद से लेकर सड़क तक बवाल

- राहुल पर अनुराग की टिप्पणी के बहाने सियासत
- कांग्रेस व सहयोगिसों को मिला अचूक हथियार
- भाजपा ने भी कसी कमर बोली- बांटना चाहता विपक्ष
- जाति सामाजिक ध्रुवीकरण का औजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आजकल जाति को लेकर पूरे देश में बवाल मचा हुआ। अनुराग ठाकुर द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जाति पूछने पर भाजपा व इंडिया गठबंधन के बीच वार-पलटवार जारी है। दरअसल भाजपा नेता ने लोकसभा में कहा कि जो लोग जातीय जनगणना करवा रहे है वह अपनी जाति नहीं जानते हैं। अनुराग के भाषण का पीएम मोदी ने समर्थन किया। हालांकि बहुत नेता ठाकुर के बयान की आलोचना कर रहे है। पर कुल मिलाकर जातीय या धार्मिक आरक्षण को भी सकारात्मक दृष्टिकोण से देखे जाने की दरकार है, न कि नकारात्मक तौर पर।

क्योंकि गुलाम भारत से लेकर आजाद भारत में जाति और धर्म को लेकर जितने भी कानून बनाए गए, वो सब अंतर्विरोधाभाषों से भरे पड़े हैं। वैदिक या सनातन सभ्यता-संस्कृति में जो जाति कार्यकुशल जनसमूह की कार्यदक्षता की निशानी समझी जाती थी और राष्ट्रीय उत्पादकता में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती आई थी, वही जब लोकतांत्रिक या संवैधानिक सभ्यता-संस्कृति में व्यापक विवाद का वाहक बनकर दिन-प्रतिदिन अनुत्पादक प्रतीत होने लगे, तो देश व समाज के प्रबुद्ध लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है। इसलिए आज संसद में जाति के सवाल पर भाजपा नीत एनडीए और कांग्रेस नीत इंडिया ब्लॉक के बीच जो सियासी जंग छिड़ी हुई है, उसके पीछे के राजनीतिक मायने को समझने और आम लोगों को समझाने की जरूरत है।

राजनीतिक दलों के लिए जाति अब सामाजिक ध्रुवीकरण का औजार और सियासी गोलबंदी का हथियार बन चुकी है, इसलिए उसे सकारात्मक नजरिए से देखे जाने की जरूरत है, न कि नकारात्मक तरीके से। हां, अब जाति के परिप्रेक्ष्य में वह मुद्दा उठाने की जरूरत है, जिससे राजनीतिक दल और उसके चतुरसुजान नेता अब तक बचते आए हैं। जैसे- साधुओं की जाति, वर्णसंकर लोगों की जाति और अंतरधार्मिक विवाह रचाने वाले लोगों और उनकी संततियों के धर्म का मुद्दा आदि सबसे अहम है। जातीय या धार्मिक आरक्षण को भी सकारात्मक दृष्टिकोण से देखे जाने की दरकार है, न कि नकारात्मक तौर पर। क्योंकि गुलाम भारत से लेकर आजाद भारत में जाति और धर्म को लेकर जितने भी कानून बनाए गए, वो सब अंतर्विरोधाभाषों से भरे पड़े हैं। जिसकी वजह से उनमें स्पष्टता का अभाव तो है ही, लोकतंत्र की मूल भावना स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व भी नदारत है। इस स्थिति के लिए हमारे राजनेता और नौकरशाह दोनों ही जिम्मेदार हैं। लेकिन इस स्थिति को बदलने का साहस किसी भी राजनीतिक दल में नहीं दिखा, जिससे राष्ट्रीय हित और पेशेवर गुणवत्ता गहरे तक प्रभावित होती आई है जिससे वैश्विक मुकाबले में भारत पिछड़ता चला आया।

पहले भी राहुल उठा चुके हैं यह मुद्दा

चौदहवां, संसद में राहुल गांधी के जातीय जनगणना के जिक्र के बाद से जो ताजा बहस शुरू हुई है, वो कोई नया मामला नहीं है। बल्कि 2023 में संसद के विशेष सत्र में महिला बिल पेश किये जाते वक्त राहुल गांधी ने ओबीसी आरक्षण की मांग उठाई थी और उसके बाद से ही सोशल मीडिया के जरिये जातीय जनगणना की मांग करने लगे। बाद में कांग्रेस की कार्यकारिणी में इसे लेकर एक प्रस्ताव भी पारित किया गया था, जिसके बाद विधानसभा चुनाव के दौरान वो सत्ता में आने पर जातीय जनगणना का वादा भी करते रहे। विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी का कोई असर नहीं दिखा, लेकिन लोकसभा चुनाव में विपक्ष को जबरदस्त फायदा हुआ। इसलिए अब उसे आगे भी भुनाने की तैयारी चल रही है। अभी हाल ही में महिला कांग्रेस ने महिला आरक्षण में ओबीसी आरक्षण की मांग को लेकर अपनी आवाज बुलंद की और जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन भी की। जिससे कांग्रेस की चाल समझी जा सकती है। वह पीएम मोदी को उनके ओबीसी मुद्दे पर ही बैकफुट पर ले जाना चाहती है। बहरहाल, यह तो मालूम नहीं कि बीजेपी के रणनीतिकार इस बात को कितना समझ पा रहे हैं, लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी जातीय राजनीति में हद से ज्यादा फायदा देख रहे हैं। पहला फायदा यह है कि राहुल गांधी बड़े आराम से बीजेपी को भरी संसद में घेर रहे हैं। दूसरा फायदा यह कि जातीय राजनीति के बहाने समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल जैसे राजनीतिक दलों का कांग्रेस को मजबूत सपोर्ट मिल रहा है। तीसरा फायदा यह कि ऐसा नैरेटिव सेट करके राहुल गांधी पिछड़े वर्ग के लोगों के दिल में जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि कांग्रेस से मुंह मोड़ चुके ओबीसी व दलित तबके को फिर से पार्टी से जो?ा जा सके।

विधानसभा चुनावों पर तो विपक्ष की नजर

मॉनसून सत्र के दौरान जातीय जनगणना को लेकर अनुराग ठाकुर के बयान पर जो संग्राम मचा हुआ है, वह आगामी विधानसभा चुनावों व यूपी उपचुनाव के दृष्टिगत विपक्ष की एक सुनियोजित सियासी रणनीति है। इन सबके पीछे विपक्षियों की मौके पर चौका लगाने वाली रणनीति काम कर रही है, जिसके चलते 10 साल बाद ही सही पर वह संसद में मजबूत होकर लौटा है। तभी तो संयुक्त विपक्ष ने अनुराग ठाकुर के बयान को लेकर सदन में जमकर बवाल काटा। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य वेल में आ गए और नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्ष के हंगामे के बीच प्रश्नकाल की कार्यवाही जारी रही। विपक्ष के नारों का शोर बढ़ा और विपक्षी सदस्य वी वांट कास्ट सेंसस के पोस्टर जब लहराने लगे, तब स्पीकर ओम बिरला ने उन्हें टोका। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही भी कुछ देर के लिए स्थगित करनी पड़ी।

बिहार में तेजस्वी ने बढ़ाई नीतीश की टेंशन

बिहार में तेजस्वी यादव ने ओबीसी आरक्षण को नौवीं अनुसूची का मामला उठाया। इस दौरान उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने मनोज झा की ओर से संसद में उठाए सवाल पर केंद्र के जवाब का विरोध किया। तेजस्वी यादव ने कहा, मनोज झा के सवाल का जो जवाब केंद्र की तरफ से दिया गया है। वह चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा कि हमें केंद्र की ओर से ऐसे ही जवाब की आशंका थी। पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से बीजेपी और केंद्र पर बिहार में हुई जाति आधारित जनगणना में बीजेपी पर अडंगा लगाने का आरोप लगाया। इससे पहले लोक सभा चुनाव के दौरान भी तेजस्वी यादव यही बात कह बीजेपी पर हमलावर थे। उन्होंने एक बार फिर से बीजेपी पर जातिगत जनगणना का विरोध करने का आरोप लगाया है। तेजस्वी यादव ने यह भी कहा- 'हमारे प्रस्ताव पर ही सभी दलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। लेकिन बीजेपी ने इसका विरोध किया था।' तेजस्वी यादव ने कहा कि हमलोग शुरू से कह रहे हैं कि बीजेपी आरक्षण के खिलाफ है। हालांकि बीजेपी लगातार तेजस?वी यादव के इस आरोप का खंडन कर रही है।

बीजेपी ओबीसी आरक्षण को नौवीं अनुसूची में नहीं डालना चाहती

तेजस्वी यादव ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वो ओबीसी आरक्षण को नौवीं अनुसूची में नहीं डालना चाहती है। ओबीसी आरक्षण को नौवीं अनुसूची में डलवाने की मांग रखते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार और केंद्र दोनों में ही एनडीए की सरकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों ही नहीं चाहते हैं कि बजाए गए आरक्षण को नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि नौवी अनुसूची में शामिल करने का काम केंद्र सरकार का है।

आरक्षण जाति-धर्म-भाषा नहीं बल्कि आर्थिक आधार पर हो

साथ ही कतिपय संवैधानिक/कानूनी कमियों को दूर किया जाना चाहिए, ताकि कभी भारतीय समाज को माला की तरह जोड़ने वाली जाति प्रथा आरक्षण उत्प्रेरित सामाजिक टूट की वजह न बन जाये। जैसा कि महसूस किया जा रहा है। इसलिए आरक्षण के आधार को जाति-धर्म-भाषा नहीं बल्कि आर्थिक आधार का किया जाना चाहिए, इसे रोटेशनल बनाकर सबको लाभान्वित किया जाना चाहिए, जो न्यायिक तर्क/वितर्क के मद्देनजर आसान नहीं लगता है।

बीजेपी ने विपक्ष को घेरा

बीजेपी भी जातीय जनगणना मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर हमलावर है। किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर देश में अराजकता भटकाने का आरोप लगाया। वहीं, भाजपा सांसद अरुण गोविल ने भी राहुल गांधी की समझ पर सवाल उठाया है। मेरठ से भाजपा सांसद अरुण गोविल ने तो यहां तक कह दिया कि राहुल गांधी के बारे में कुछ भी कहना अजीब सा है। मुझे समझ नहीं आता कि वह बात को किस तरह से लेते हैं, किस तरह से समझते हैं क्योंकि वह बात को कहीं और ले जाते हैं। वह कहना कुछ चाहते हैं लेकिन कहते कुछ और हैं। वहीं, केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने भी अनुराग ठाकुर के बयान को उचित बताते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जो हरकत की है मैं उसकी निंदा करता हूं। कांग्रेस दिन-रात जाति-जाति करती रहती है। कांग्रेस ने जाति पूछ-पूछकर देश को बांटने की साजिश की है और जब सदन में जाति की बात हुई तो राहुल गांधी हंगामा कर रहे हैं। इन लोगों ने देश को कमजोर करने के लिए एक साजिश रची हुई है। ये देश में हिंसा फैलाना चाहते हैं। राहुल गांधी को किसने हक दिया कि वह सबसे जाति के बारे में पूछे और उनसे कोई उनकी जाति के बारे में नहीं पूछ सकता। ये गंभीर मामला है। हम देश को टूटने नहीं देंगे, हम देश को मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

छात्रों को मिल सकेगा जल्द इंसाफ!

दिल्ली में हुए कोचिंग हादसे की जांच अब सीबीआई करेगी। ये फैसला दिल्ली हाइकोर्ट ने किया है। उम्मीद किया जाना चाहिए कि अब पीड़ितों को जल्द न्याय मिल जाए। दरअसल, देश की राजधानी में आईएएस बनने की आकांक्षा लेकर आए तीन स्टूडेंट्स की जिन हालात में मौत हुई, वह दुखद तो है ही, शर्मनाक भी है। इस घटना ने राष्ट्रीय राजधानी में इन्फ्रास्ट्रक्चर मेनटेनेंस से जुड़े तमाम विभागों और उनके कर्मचारियों पर ही नहीं, इनके संचालन और देखरेख की जिम्मेदारी संभाल रहे राजनीतिक नेतृत्व पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना की गंभीरता ने स्थानीय प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व को जैसे नींद से जगाया। न केवल धड़ाधड़ कई गिरफ्तारियां कर ली गईं बल्कि कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ बर्खास्तगी और निलंबन जैसे कदम उठाते हुए घटना के सभी पहलुओं की विस्तृत जांच के आदेश भी दे दिए गए। संसद में भी यह मामला गूंजा। आ हाईकोर्ट के आदेश के बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले समय में इस तरह की घटनाएं कम हों।

गौर करने की बात यह है कि इस दुखद घटना को अंजाम देने वाले हालात न तो नए हैं और न ही ऊपर से नीचे तक सरकारी तंत्र का कोई भी हिस्सा इनसे अनजान है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सबको पहले से यह सब पता था, तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई और यह भी कि क्या गारंटी है, कुछ समय बाद फिर सबकुछ पहले जैसा ही नहीं हो जाएगा। हालांकि घटना में मारे गए तीनों छात्रों की याद में उनके नाम पर चार पुस्तकालय बनाए जाने की घोषणा दिल्ली की मेयर शैली ओबराय ने की। हालांकि इससे जान की क्षतिपूर्ति तो नहीं की जा सकती लेकिन छात्रों के लिए सार्वजनिक पढ़ने की जगहों को बेहतर बनाने की कोशिश उन छात्रों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वहीं सरकार ने कोचिंग सेंटरों को रेगुलेट करने के लिए कानून बनाने का फैसला लिया है। इसमें छात्रों के सुझाव भी शामिल किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने छात्रों के समर्थन में सड़क से लेकर संसद तक आवाज उठाई आई है और आगे भी उठाती रहेगी। इस दौरान छात्रों ने इस हादसे के लिए जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। वहीं दिल्ली सरकार और एमसीडी इस हादसे में मृतक छात्रों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा देने की भी बात की है। यही इस पूरी घटना का सबसे गंभीर पहलू है और इसी बिंदु पर हमें कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिलता। घटना के बाद एक-दूसरे पर दोष मढ़ने का सिलसिला शुरू हो गया, वह भी निराश करता है। हालांकि अदालती हस्तक्षेप से इस तरह की घटनाओं के मामले में सख्ती दिखाई देगी जो आने वाले में इन घटनाओं पर लगाम लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सबको पहले से यह सब पता था, तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई और यह भी कि क्या गारंटी है, कुछ समय बाद फिर सबकुछ पहले जैसा ही नहीं हो जाएगा। हालांकि घटना में मारे गए तीनों छात्रों की याद में उनके नाम पर चार पुस्तकालय बनाए जाने की घोषणा दिल्ली की मेयर शैली ओबराय ने की।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सटीक जनसंख्या आंकड़ों में विकास की तस्वीर

सतीश मेहरा

जनसांख्यिकीय आंकड़े और सर्वेक्षण ही सरकार की योजनाओं का आधार हैं। जनगणना और आंकड़ों के बिना कल्याणकारी योजनाएं तैयार करना और उनका लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना 'हवा में तीर चलाने जैसा है।' आंकड़े एकत्रित करने के लिए जनगणना एक सशक्त माध्यम है। जनगणना से सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास और अन्य सामाजिक सेवाओं की बेहतर योजना बना सकती है। इसके साथ-साथ सरकार को विभिन्न आयु वर्ग के लोगों की संख्या, लिंग, शिक्षा के स्तर आदि की सूचना प्राप्त होती है, जो सरकार को सही निर्णय लेने में सहायक होती है। कोविड जैसी महामारी के बाद तो जनगणना करवाना और अधिक आवश्यक हो जाता है। इस खतरनाक महामारी ने दुनिया को प्रभावित किया है। हर वर्ग के लोग कोविड से प्रभावित हुए हैं और बुरी तरह से जान-माल का नुकसान हुआ है।

जनगणना के आंकड़ों से ही पता चल पाएगा कि गांव-देहात, शहरों और मेट्रोपोलिटन शहरों में खाद्य वितरण प्रणाली, आर्थिक, स्वास्थ्य, वैक्सीनेशन जैसी सुविधाओं को और बेहतर कैसे किया जा सकता है। वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं और बच्चों के लिए जरूरी व मूलभूत सुविधाएं किस प्रकार और बेहतर की जा सकती हैं। महामारी के बाद देश में जनसंख्या वृद्धि दर कितनी प्रभावित हुई है। इसीलिए प्राकृतिक आपदा व महामारी जैसी आकस्मिक स्थिति के दौरान जनगणना के आंकड़े बहुत सहायक होते हैं। जनगणना से प्राप्त आंकड़ों से विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, गरीब, कमजोर व अन्य जरूरतमंद वर्गों की समस्याओं को समझकर उन्हें सुधारने के प्रयास किए जाते रहे हैं। वैसे भी गरीब व कमजोर वर्गों के लिए ही सरकार का अधिक महत्व होता है। जहां तक देश में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सार्वजनिक वितरण प्रणाली की बात है, आज 2011 की जनसंख्या के अनुसार ही 81 करोड़ लोगों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मुफ्त राशन दिया जा रहा है। 2021 में या इसके बाद जनगणना की जाती है तो लाभार्थियों का आंकड़ा बढ़ना तय है। इस बारे में सरकार की क्या मंशा है, यह तो सरकार ही बेहतर बता सकती है।

वर्तमान में प्रभावी योजनाओं की सख्त जरूरत भी है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगामी 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का वादा भी

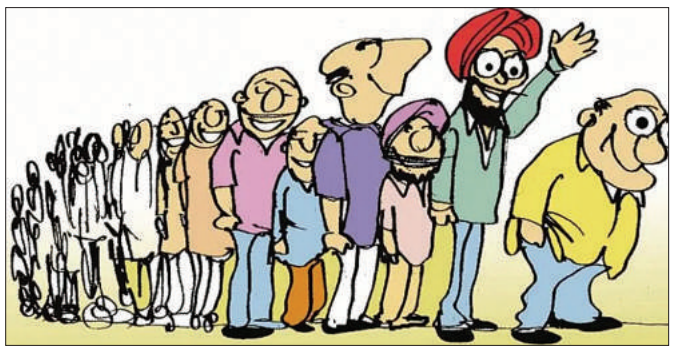

है। इसके लिए जनसंख्या के आंकड़ों के आधार पर ही योजनाएं बनाई जा सकती हैं। इसके साथ-साथ देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तैयार की गई है, जो आगामी 2035 तक देश में पूरी तरह लागू होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात को 2035 तक 50 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है यानी 18-23 आयु वर्ग के 50 प्रतिशत युवाओं को उच्च शिक्षा में नामांकित किया जाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत प्री से माध्यमिक स्तर तक शत-प्रतिशत जनसंख्या को शिक्षा उपलब्ध करवाना है। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही परिवार नियोजन जैसे जनसंख्या नियंत्रण के कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं और क्रियान्वित किए जाते हैं। देश में लिंगानुपात के आंकड़े भी जनगणना से ही प्राप्त होंगे। हालांकि सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम शुरू किया गया है फिर भी कई राज्यों में लिंगानुपात बेहद चिंताजनक स्थिति में है। इन सभी कार्यक्रमों व योजनाओं को बेहतर ढंग से लागू करने के लिए जनसांख्यिकीय आंकड़े निहायत जरूरी हैं। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही चुनाव क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण किया जाता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि हर क्षेत्र को उचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिले और जनसंख्या के आधार पर संसदीय सीटें बांटी जाएं। आगामी 2026 के बाद देश में जनगणना के आधार पर संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों का परिसीमन भी किया जाना है। यह परिसीमन जनसंख्या के आधार पर होगा क्योंकि परिसीमन के दौरान आरक्षित सीटों को बढ़ाया जाएगा। इससे यह पता चल पाएगा कि किस क्षेत्र में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या ज्यादा है। इसी आधार पर सीटें आरक्षित होंगी। इतना ही नहीं परिसीमन के बाद महिला आरक्षण एक्ट-2023 के तहत महिलाओं के लिए भी एक-तिहाई लोकसभा और विधानसभा की सीट आरक्षित की जानी हैं।

देश में जनगणना का पुराना इतिहास है। 143 वर्ष पहले 1881 में जनगणना शुरू की गई थी। उसके बाद हर 10 साल में जनगणना करवाई जा रही है। दुनिया में कोविड के चलते भारत सहित अधिकतर देशों में जनगणना का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था, लेकिन कोविड के बाद 100 से भी अधिक देश जनगणना करवा चुके हैं। अब भारत में भी जनगणना का इंतजार है। नि:संदेह, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के पास सटीक आंकड़े होंगे तो बेहतरीन योजनाएं तैयार होंगी।

हानिया के बाद हमास की दिशा-दशा का प्रश्न

पुष्परंजन

एक आम भारतीय विश्लेषक से पूछेंगे कि मुहम्मद दीफ कौन था? तो शायद वो न में सिर हिला दे। लेकिन गुरुवार को सुबह-सुबह इस्राइली अखबारों की हेडलाइन मुहम्मद दीफ के मारे जाने की खबर से सनसनी पैदा कर रही थी। हमास की एक सैन्य शाखा इजदीन अल कसम ब्रिगेड के प्रमुख मुहम्मद दीफ के मारे जाने की खबर को 13 जुलाई से दबाये रखने की जरूरत क्या थी? दीफ को 13 जुलाई, 2024 को खान यूनिस इलाके में निशाना बनाया गया था। सेना ने खान यूनिस के हमले में एक और हमास कमांडर राफा सलामेह की मौत की पुष्टि की, लेकिन तब 'आईडीएफ' ने कहा था कि उसके पास मुहम्मद दीफ के बारे में अंतिम जानकारी नहीं है। इस्माइल हानिया पर हमले से पहले बेरूत के दक्षिणी उपनगर में मंगलवार को हिजबुल्लाह के एक शीर्ष कमांडर फौद शुक्र की मौत हो गई।

इस्राइल का कहना है कि वह गोलान हाइट्स के मजदल शम्स शहर में एक फुटबॉल मैदान पर मिसाइल हमले के लिए जिम्मेदार था, जिसमें 12 बच्चे मारे गए थे। हालांकि हिजबुल्लाह ने हमले की जिम्मेदारी लेने से इनकार किया है, लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि सभी संकेत इस ओर इशारा करते हैं कि यह आतंकी समूह द्वारा किया गया था। गत 7 अक्टूबर, 2023 के हमले में इस्राइली खुफिया एजेंसियों का जो मोरल डाउन था, वो अब फिर से ऊंचा हो चुका है। फौद, दीफ और हानिया, इन तीनों के मारे जाने की खबर टाइमिंग देखिये। क्या यह सब इसलिए, कि इस्राइल की जासूसी संस्था 'शिन बेत', जिसे हिब्रू में 'शबाक' नाम से जाना जाता है, को श्रेय दिया जा सके? शिन बेत के साथ-साथ आईडीएफ (इस्राइली डिफेंस फोर्स और प्रधानमंत्री नेतन्याहू की जय-जयकार इस समय पूरे देश में हो रही है। हिजबुल्लाह और हमास के वरिष्ठ अधिकारियों की हत्याओं की सफलता के बावजूद, 115 इस्राइली बंधकों की रिहाई को लेकर सबकी सांसें थमी हुई हैं। ये लोग हमास द्वारा गाजा पट्टी में 300 दिनों से बंधक बनाए गए हैं, जिनका छूटना अब भी अनिश्चित-सा है।

दीफ की मौत का उदारवादी 'यिसरेल बेयटेनू' के प्रमुख एविगडोर लिबरमैन ने भी स्वागत किया है, जिन्होंने ट्वीट किया कि '7 अक्टूबर, 2023 को यहूदियों का कत्लेआम, बलात्कार और अपहरण करने वाले उन घृणित आतंकवादियों के लिए दुनिया में कोई जगह नहीं है, और हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनमें से कोई भी प्राकृतिक मौत न मरे।' रक्षा मंत्री योआव गैलेंट का कहना है कि हमास के सैन्य कमांडर मुहम्मद दीफ की हत्या की पुष्टि आतंकवादी समूह के खात्मे की दिशा में एक 'बड़ा कदम' है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि ईरान हानिया और हिजबुल्लाह नेता की मौत का बदला लेगा? ईरान के पश्चिमी मित्र सर्वोच्च नेता को सॉफ्ट करने में लगे हुए हैं। जो लोग हमास को करीब से जानते हैं, उनका दावा है कि हानिया सिर्फ हाथी के दांत जैसे प्रतीकात्मक व्यक्ति थे। हमास में महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाले व्यक्ति याह्या सिनवार हैं। डॉ. माइकल मिल्शटाइन का मानना है कि हानिया की मौत से हमास दबाव में है, लेकिन उसका सफाया एकदम से हो जाये, यह संभव नहीं।

मिल्शटाइन ने कहा, 'सिनवार हानिया को तुच्छ समझते हैं। सिनवार अक्सर कहा करते थे, 'ये सैन्य अनुभव के बिना सूट पहने हुए लोग थे, जिन्होंने हमारी तरह जेल में कष्ट नहीं झेले।' मिल्शटाइन बोलते हैं, 'हानिया का बाहरी दुनिया के लोगों से मिलना-जुलना, बयानबाजी चलता रहता था, लेकिन हमास का रिमोट कंट्रोल सिनवार के पास था। हानिया वास्तव में वह व्यक्ति नहीं थे जो जमीनी लड़ाई निर्धारित करते थे। हमास में अंतिम निर्णय लेने वाला व्यक्ति याह्या सिनवार ही रहा है, हानिया नहीं।' हानिया का दबाव जिस तरह संगठन पर था, उससे सिनवार ने राहत की सांस ली होगी, ऐसा कुछ विश्लेषकों का मानना है। मिल्शटाइन बोलते हैं, 'मुझे नहीं लगता कि सिनवार ने शैंपेन का गिलास उठाया होगा, लेकिन उनके लिए काम करने का माहौल और भी आरामदायक हो गया। हानिया ने जिंदा रहते उनके लिए कोई चुनौती नहीं पेश की, लेकिन बाधा का अहसास बना रहता था। कल गाजा में एक पत्रकार से मेरी बातचीत हुई, जिसने कहा कि हत्या के बाद गाजा और दोहा के बीच की दरारें काफी बढ़ गई हैं; इस पर नजर रखना आवश्यक है।' गाजा की लीडरशिप और उनके कमांडर क्या दोहा में निर्वासित हमास नेताओं को खटकते थे? इस सवाल का उत्तर आने वाले समय में मिलेगा।

लेकिन एक बात तो है कि हमास के राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख इस्माइल हानिया ने गाजा पर अपनी पकड़ बनाये रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। हमास के संस्थापक अहमद यासीन 1992 में लेबनान में भूमिगत हो गए थे, जहां 2004 में उनकी हत्या होने तक हानिया साये की तरह उनके साथ रहे। वर्ष 2006 में, उन्हें फिलिस्तीनी प्राधिकरण का प्रधानमंत्री चुना गया, और 2007 में, जब हमास ने तख्तापलट करके गाजा पट्टी पर नियंत्रण कर लिया, तो वे गाजा के वास्तविक शासक बन गए। अहमद यासीन के उत्तराधिकारी अब्देल अजीज अल-रंतिसी की हत्या के बाद हमास को नेतृत्व देने का अवसर उन्हें मिला था। वर्ष 2017 में, उन्हें हमास के राजनीतिक ब्यूरो का प्रमुख चुना गया। वे कतर चले गए। हानिया ने खालिद मशाल का स्थान लिया, जिन्होंने लगभग दो दशकों तक इस पद पर कार्य किया था। अप्रैल, 2024 में इस्राइल ने गाजा शहर में हानिया के तीन बेटों और उनके तीन पोते-पोतियों की हत्या कर दी थी।

अनार

कैंसर का कम करता है खतरा

न्यूट्रिशन वैल्यू

250 ग्राम अनार से 150 कैलोरी ऊर्जा 38 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 11 ग्राम डायट्री फाइबर, 26 ग्राम शुगर, 2 ग्राम प्रोटीन, 2.5 ग्राम फैट, 28 मिग्रा विटामिन सी, 46 माइक्रोग्राम विटामिन के, 107 माइक्रोग्राम फॉलेट पाया जाता है।

वास्तव में एक अनार के सैकड़ों फायदे हैं। एक अनार का सेवन नियमित तौर पर किया जाए तो इससे हाई ब्लड प्रेशर की समस्या कम होगी, हार्ट डिजीज का जोखिम घट जाएगा और यहां तक कि अनार कैंसर के खतरे को भी कम कर देगा। अनार के इतने फायदे हैं कि रोजना अगर इसका सेवन किया जाए तो डॉक्टर के पास जाने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। अनार ब्लड प्रेशर, डाइजेशन और याददाश्त को भी दुरुस्त करता है। अनार खून में आयरन की कमी को पूरा करता है और एनीमिया जैसी बीमारी से छुटकारा दिलाता है। गर्मी में अनार शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। यह बॉडी की ड्राईनेस दूर करने में भी माहिर है। अनार के सेवन से चेहरे पर ग्लो आता है। अनार में कई तरह के कंपाउड जैसे कि एंटीऑक्सीडेंट्स और पोलीफिनॉल्स होते हैं जो दिमाग में रक्षात्मक असर को बढ़ाते हैं। ये कंपाउंड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इंफ्लामेशन को कम करते हैं जिसके कारण दिमाग तंदुरुस्त और शांत रहता है। अनार अल्जाइमर के जोखिम को भी कम करता है।

हार्ट हेल्थ

अनार में कई सारे एंटीऑक्सीडेंट्स, पॉलीफिनॉल्स मौजूद रहते हैं जो इंफ्लामेशन को कम कर ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस का खत्म करने में मदद करते हैं। दोनों कंपाउंड हार्ट डिजीज से बचाने में भी मदद करते हैं। अनार के जूस से हाई ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल किया जा सकता है। इससे कोलेस्ट्रॉल लेवल भी कम होता और यह ऑवरऑल हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाता है और हार्ट से संबंधित बीमारियों से बचाता है।

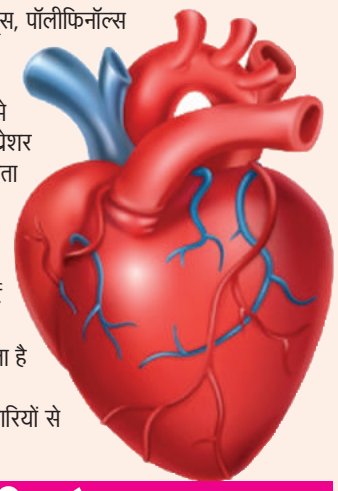

अपच

यदि आपको देर रात की पार्टी से अपच हो गया है तो पके अनार का रस चम्मच, आधा चम्मच सेका हुआ जीरा पीसकर तथा गुड़ मिलाकर दिन में तीन बार लें। प्लीहा और यकृत की कमजोरी तथा पेटदर्द अनार खाने से ठीक हो जाते हैं। 15 ग्राम अनार के सूखे छिलके और दो लौंग लें। दोनों को एक गिलास पानी में उबालें।

एंटी-कैंसर गुण

अनार एंटीऑक्सीडेंट्स गुणों से भरा होता है। इसमें कैंसर को खत्म करने और कैंसर से बचाव का गुण पाया जाता है। अनार का इस्तेमाल हम सदियों से बीमारियों के बचाव और इलाज में करते आ रहे हैं। अनार के जूस या अनार के पाउडर या अनार के तेल में एंटी-इंफ्लामेटरी, एंटी-प्रोलीफेरेटिव और कैंसर के ट्यूमर को खत्म करने का गुण है। इसके साथ ही यह अनार में कीमोप्रिवेंटिव और कीमथेरेप्यूटिक एंजेंट वाला गुण होता है। इसे क्लिनिकल अध्ययन में साबित किया गया है। अध्ययन का निष्कर्ष यह था कि अनार में मौजूद कंपाउंड स्किन कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, लंग्स कैंसर और कोलोन कैंसर के ट्यूमर को न सिर्फ खत्म कर सकता है बल्कि इन कैंसर से बचाव भी कर सकता है।

ब्रेन रखे हेल्थी

कुछ अध्ययनों में दावा किया गया है कि अनार में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स दिमाग में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को नहीं होने देता है और दिमाग में किसी प्रकार की सूजन को होने से रोकता है। यही कारण है अनार ब्रेन की हेल्थ के लिए वरदान है। अनार दिमाग में अल्जाइमर और पर्किंसन की बीमारी से रक्षा करता है। इलेजिटानिस कंपाउड ब्रेन इंज्यूरी के बाद हाइपॉक्सी इश्चेमिक से जल्दी निजात दिलाता है।

डायबिटीज में लाभदायक

अनार स्वाद में मीठा होता है, ऐसे में कई लोगों के बीच इस बात का कंफ्यूजन होता है कि डायबिटीज में अनार खाना चाहिए या नहीं? तो परेशान न हों। डायबिटीज रोगी अनार का सेवन कर सकते हैं। दरअसल, कुछ रिसर्च से पता चलता है कि अनार में एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर रूप से होता है, जो टाइप-2 डायबिटीज के खतरों को कम कर सकता है। इसके अलावा अनार में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो आपके वजन को घटा सकता है। साथ ही यह कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में भी काफी हद तक मददगार हो सकता है। अगर आप डायबिटीज को कंट्रोल करना चाहते हैं, तो अनार का सेवन करना आपके लिए काफी हेल्दी हो सकता है।

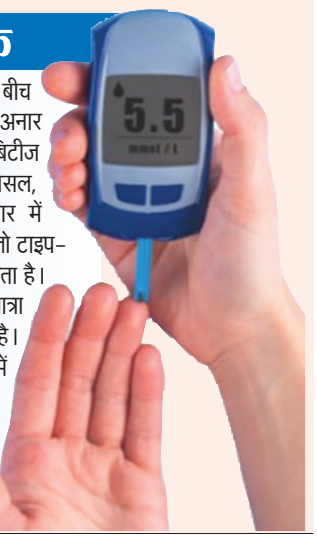

हंसना मना है

गर्मी का कहर शुरू। एक औरत अकेले कब्रिस्तान में एक कब्र पर बैठी थी। एक राहगीर ने पूछा - डर नहीं लगता? औरत - क्यों? इसमें डरने की क्या बात है.. अंदर गर्मी लग रही थी तो बाहर आ गई। राहगीर अब कौमा में है।

सास-कैसी बहू है, सुबह इतनी देर से उठती है, उठ जा कुंभकरण सूरज भी कब का निकल आया है। बहू- चिल मां जी, वो सोता भी तो मुझसे पहले है ना बहू की बात सुनकर सास बेहोश...!

जीजा जी- तुमने तो सुबह कहा था कि रात के खाने में दो ऑप्शन होंगे, लेकिन यहां तो एक ही सब्जी दिख रही है? साली साहिबा- ऑप्शन अभी भी दो हैं। जीजा जी- वो कैसे? साली साहिबा- खाना है तो खाओ, नहीं तो मैं दीदी को बोल दूंगी।

पति- तुम ब्यूटी पार्लर में 5000 का कबाड़ा करके आती हो उसका क्या? पत्नी- वो तो मैं तुम्हें सुंदर दिखूं इसलिए। पति- पगली तो मैं भी तो इसलिए पीता हूं कि तू मुझे सुंदर लगे।

लड़की ने पिज्जा आर्डर किया, वेटर- मैडम, इसके 4 पीस करूं या 8 पीस? लड़की बोली- 4 पीस ही करो..8 खाऊंगी तो मोटी हो जाऊंगी। वेटर बेहोश...!

कहानी | सत्संग के महत्व

एक युवक प्रतिदिन संत का सत्संग सुनता था। एक दिन जब सत्संग समाप्त हो गए, तो वह संत के पास गया और बोला, महाराज! मैं काफी दिनों से आपके सत्संग सुन रहा हूं, किंतु यहां से जाने के बाद मैं अपने गृहस्थ जीवन में वैसा सदाचरण नहीं कर पाता, जैसा यहां से सुनकर जाता हूं। इससे सत्संग के महत्व पर शंका भी होने लगती है। बताइए, मैं क्या करूं? संत ने युवक को बांस की एक टोकरी देते हुए उसमें पानी भरकर लाने के लिए कहा। युवक टोकरी में जल भरने में असफल रहा। संत ने यह कार्य निरंतर जारी रखने के लिए कहा। युवक प्रतिदन टोकरी में जल भरने का प्रयास करता, किंतु सफल नहीं हो पाता। कुछ दिनों बाद संत ने उससे पूछा, इतने दिनों से टोकरी में लगातार जल डालने से क्या टोकरी में कोई फर्क नजर आया? युवक बोला, एक फर्क जरूर नजर आया है। पहले टोकरी के साथ मिट्टी जमा होती थी, अब वह साफ दिखाई देती है। कोई गंदगी नहीं दिखाई देती और इसके छेद पहले जितने बड़े नहीं रह गए, वे बहुत छोटे हो गए हैं। तब संत ने उसे समझाया, यदि इसी तरह उसे पानी में निरंतर डालते रहोगे, तो कुछ ही दिनों में ये छेद फूलकर बंद हो जाएंगे और टोकरी में पानी भर पाओगे। इसी प्रकार जो लगातर सत्संग जाते हैं, उनका मन एक दिन अवश्य निर्मल हो जाता है, अवगुणों के छिद्र भरने लगते हैं और गुणों का जल भरने लगता है। युवक ने संत से अपनी समस्या का समाधान पा लिया। निरंतर सत्संग से दुर्जन भी सज्जन हो जाते हैं। क्योंकि महापुरुषों की पवित्र वाणी उनके मानसिक विकारों को दूर कर उनमें सदविचारों का आलोक प्रसारित कर देती है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

वृषभ परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें।

मिथुन आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

कर्क आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

सिंह नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

कन्या बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा।

तुला प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी।

वृश्चिक स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

धनु रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

मकर मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है।

कुम्भ व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। मेहनत का फल मिलेगा।

मीन उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड को नहीं पता हीरो कैसे बनाना है : अल्लू अर्जुन

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पिछले कुछ साल से बॉक्स ऑफिस पर खासा कमाल नहीं दिखा पा रही है। अगर देखा जाए तो कोरोना काल के बाद से फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में डगमगाहट देखने को मिलनी शुरू हुई थी। कोविड 19 के बाद जब थिएटर्स खुले तो हिंदी फिल्में रिलीज तो हुईं पर फ्लॉप रहीं। वहीं दूसरी तरफ साउथ सिनेमा में कई शानदार फिल्में रिलीज हुईं जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। इसी के साथ बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के बीच मुकाबला शुरू होता दिखा। बॉलीवुड बनाम साउथ की बहस काफी समय से सुर्खियों में है जिसपर अब दो फिल्मी जगत से जुड़े कलाकारों ने अपनी राय रखी है। बॉलीवुड को कई शानदार फिल्में देने वाले निर्देशक निखिल आडवानी ने हाल ही में अल्लू अर्जुन के साथ हुई अपनी बातचीत के बारे में जिक्र किया। निर्देशक ने बताया कि पुष्पा स्टार अल्लू अर्जुन हिंदी फिल्मों में किस चीज को सबसे बड़ी कमी मानते हैं। दरअसल, निखिल आडवाणी ने हाल ही में मीडिया के साथ बातचीत में अल्लू अर्जुन के साथ हुई बातचीत के बारे में खुलासा किया। निखिल ने बताया कि उनकी एक बार अल्लू अर्जुन मुलाकात हुई थी। मुलाकात के दौरान दोनों एक फिल्म के बारे में बात कर रहे थे। उस समय अल्लू अर्जुन ने उनकी तरफ देखा और कहा था कि क्या वो जानते हैं कि बॉलीवुड के साथ परेशानी क्या है? साउथ एक्टर ने आगे इसके जवाब में कहा था कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री भूल गई है कि हीरोज कैसे बनना है। इंटरव्यू में निखिल ने अल्लू अर्जुन की बात को सही से समझाते हुए बताया कि लोगों को लगता है कि साउथ सिनेमा पौराणिक कथा और अन्य चीजों में सिमटा हुआ है। लेकिन, डायरेक्टर का मानना है कि साउथ के मेकर्स कोर इमोशन को समझते हैं और उसी को लेकर चलते हैं।

सिटाडेल के टीजर में वरुण धवन और सामंथा के एक्शन ने बढ़ाया उत्साह

बॉलीवुड | गपशप

पिसो ब्रदर्स की सीरीज सिटाडेल ने हॉलीवुड में तो खूब धमाल मचाया ही है। अब ये सीरीज भारतीय अंदाज में हिन्दी दर्शकों के बीच भी रिलीज होने जा रही है, जिसमें सामंथा रुथ प्रभु और वरुण धवन लीड रोल में दिखाई दे रहे हैं। अब मेकर्स ने सिटाडेल हनी बनी का टीजर भी जारी कर दिया है। इसी के साथ सीरीज की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। इसमें दोनों ही कलाकार जासूसी करते नजर आ रहे हैं। इसी के साथ अब सीरीज को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता बढ़ गई है।

राज एंड डीके के क्रिएशन वाली सीरीज सिटाडेल का फैंस को लंबे समय से इंतजार था, जो अब जल्द ही खत्म होने जा रहा है। कुछ दिन पहले ही वरुण और सामंथा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर सीरीज का एक पोस्टर जारी कर कहा था कि 1 अगस्त को वह कुछ सरप्राइज देने वाले हैं। इसी सरप्राइज के तौर पर उन्होंने सिटाडेल का टीजर किया है। इसमें वरुण को जबरदस्त एक्शन करते देखा जा रहा है। सिटाडेल हनी बनी में जहां एक ओर वरुण ताबड़तोड़ फायरिंग कर रहे हैं, वहीं, सामंथा खुफिया जासूस बन अपने अंदाज से हैरान कर रही हैं। 1 मिनट 33 सेकंड के इस टीजर के बैकग्राउंड में फिल्म नमक हलाल का गाना रात बाकी, बात बाकी सुनने को मिल रहा है, जो

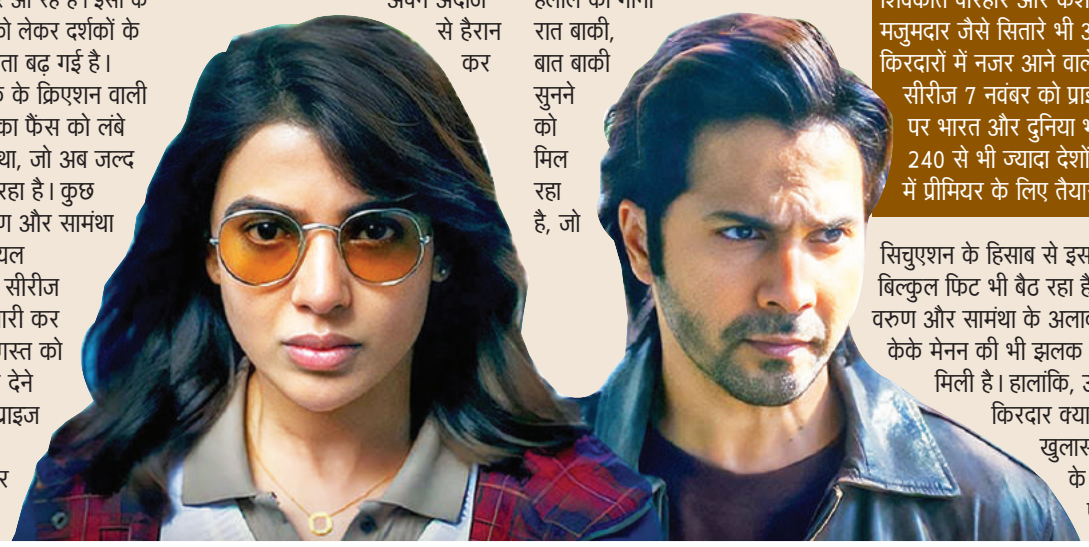

सिचुएशन के हिसाब से इस पर बिल्कुल फिट भी बैठ रहा है। टीजर में वरुण और सामंथा के अलावा एक्टर केके मेनन की भी झलक देखने को मिली है। हालांकि, उनका किरदार क्या है इसका खुलासा तो वक्त के साथ ही हो पाएगा।

7 नवंबर को रिलीज होगी सीरीज

सिटाडेल हनी बनी में सिकंदर खेर, साकिब सालीम, सोहम मजुमदार, शिवकांत परिहार और केशवी मजुमदार जैसे सितारे भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। यह सीरीज 7 नवंबर को प्राइम वीडियो पर भारत और दुनिया भर के 240 से भी ज्यादा देशों और क्षेत्रों में प्रीमियर के लिए तैयार है।

शिव ठाकरे की जिंदगी में हुई प्यार की एंट्री

बिग बॉस 16 से घर में अपनी पहचान हासिल करने वाले शिव ठाकरे आज किसी पहचान के मोहताज नहीं रह गए हैं। आज उनके चाहने वाले पूरे देशभर में मौजूद हैं, जो शिव के बारे में हर बात जानने के लिए बेताब रहते हैं। बिग बॉस के घर में ही शिव ने अपने सादे स्वभाव और क्यूट स्माइल से लोगों को दीवाना बना लिया था। वहीं, शिव अपने चाहने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं। इसी बीच अब उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक ऐसी फोटो शेयर की है, जिसे देख फैंस शिव के अफेयर्स को लेकर चर्चा करने लगे हैं। शिव ठाकरे ने जो फोटो शेयर की है, उसमें वह मिस्ट्री गर्ल के साथ नजर आ रहे हैं। यहां शिव के साथ नजर आ रही लड़की ने उनके कंधे पर सिर रखा हुआ है। वहीं, शिव उनके माथे पर किस कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने अपनी मिस्ट्री गर्ल का चेहरा नहीं दिखाया है, बल्कि उनके चेहरे पर शिव ने दिल का इमोजी लगाया हुआ है। शिव ने ब्लैक एंड व्हाइट फोटो के साथ बैकग्राउंड में रोमांटिक गाना मेरी सौ बीमारियों का... लगाया है। अब शिव ठाकरे की ये फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। शिव के चाहने वाले उनके लिए बेहद खुश हैं कि आखिरकार उन्हें अपनी पार्टनर मिल गई। हालांकि, फिलहाल शिव ठाकरे ने यह कंफर्म नहीं किया है कि उन्हें वाकई अपनी लेडी लव मिल गई है या यह उनके किसी प्रोजेक्ट का हिस्सा है।

दरअसल, कई सोशल मीडिया यूजर्स कयास लगा रहे हैं कि यह शिव के अपकमिंग प्रोजेक्ट का प्रमोशन भी हो सकता है। दूसरी ओर फैंस यह जानने के लिए बेताब हैं कि शिव की जिंदगी में किस लड़की की एंट्री हुई है। वहीं, फिलहाल शिव की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

गौरतलब है कि कुछ समय पहले ही शिव ने अपनी ड्रीम गर्ल को लेकर कहा था, मुझे बस अपने लिए एक ईमानदार लड़की चाहिए, जो रिश्तों को निभा सके। मुझे लुक्स को लेकर कोई चिंता नहीं है, लेकिन वो मेरे लिए बस 10-15 दिनों में एक बार सूट-सलवार पहनकर बिंदी लगा लिया करे। इतना ही नहीं, शिव खुद को बहुत अधिकार जताने वाला और इमोशनल पर्सनल मानते हैं।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है सहेलियों की बाड़ी

उदयपुर की ऐसी बाड़ी जहां पुरुषों का जाना था मना

उदयपुर। उदयपुर में घूमने की बहुत-सी जगहें हैं। लेकिन सहेलियों की बाड़ी अलग है। महारानी के लिए राजा ने इस बाड़ी को बनवाया था। सालों की मेहनत के बाद इस बाड़ी को तैयार किया गया। बेहद खूबसूरत वास्तुकला और हरियाली यहां देखने के लिए मिलती है। इस बाड़ी को तैयार करने के लिए उस वक्त ऐसा तकनीक का इस्तेमाल हुआ था कि आज भी लोग देख कर हैरान रह जाते हैं। इस आर्टिकल में जानें इस बाड़ी से जुड़ी हर-छोटी बड़ी बात।

टूर गाइड नारायण सालवी बताते हैं कि सहेलियों की बाड़ी को महाराणा संजय सिंह ने 1710-1734 में बनवाया था। इस बाड़ी को महारानी और उनकी 48 सहेलियों के लिए बनवाया गया था इसलिए इसे 'सहेलियों की बाड़ी' कहा जाता है। लोग इसे मेडन्स गार्डन के नाम से भी जानते हैं। बाड़ी में बाग, फव्वारे, मार्बल स्तंभ और संगमरमर का इस्तेमाल देखने के लिए मिलता है। इसका डिजाइन हिन्दू और मुघल वास्तुकला से बना है। यह गार्डन लगभग 6.5 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। इसमें एक गार्डन में एक संग्रहालय भी है, जहां इतिहास से जुड़ी दिलचस्प जानकारी मिलती है।

सहेलियों की बाड़ी में कई खूबसूरत फव्वारे हैं, जिन पर शानदार और यूनीक डिजाइन देखने

के लिए मिलते हैं। इस वजह से बाड़ी हमेशा ताजगी का एहसास देती है। यहां के लोटस पूल भी है, जो हरी-भरी हरियाली से घिरा है और संगमरमर से बना है। इस बाड़ी में संगमरमर के पत्थर से ढेर सारे हाथी भी बने हैं, जो आपको बाड़ी के किनारों पर लगे दिखेंगे। बाड़ी में छोटे-बड़े ढेर सारे आंगन हैं, जहां कमाल की वासतुकला फूल, पौधे, पेड़ और झाड़ियों से घिरी दिखेगी। सहेलियां की बाड़ी में महारानी अपनी सहेलियों के साथ समय बिताती थीं। इस दौरान सभी एक साथ मिलकर बागवानी करती थीं। सभी एक दूसरे को गाने और कविता सुनाया करे थे। मजा करते के लिए चूड़ी बाजी जैसे गेम्स भी महारानी अपनी सहेलियों के साथ खेलती थीं। उस वक्त पुरुष इस बाड़ी में नहीं जा सकते थे। सहेलियों की बाड़ी का जादुई गार्डन लोगों को बहुत आकर्षित करता है। इस गार्डन के पास ताली बजाते ही फव्वारे चल जाते हैं। जब गार्डन के पास चलते हैं तो चारों ओर पानी बहने लगता है। सालों पहले इस फव्वारें को बनाते वक्त विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया था, जिस वजह से लोगों ने इसका नाम जादुई गार्डन रखा।

इस जगह एक म्यूजियम भी बना है, जहां ऐतिहासिक और प्राचीन चीजें देखने के लिए मिलती हैं। कला, सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक वस्तुएं और पेंटिंग जैसी चीजें म्यूजियम में मौजूद हैं। सालों पुरानी जीवनशैली से जुड़ी वस्तुएं भी इस म्यूजियम में आप देख सकते हैं। हर साल में एक बार सहेलियों की बाड़ी में मेला लगता है। हरियाली अमावस्या पर लगने वाले इस मेले में पुरुष नहीं जा सकते। खरीदारी के लिए, खेलकूद और मजेदार एक्टिविटी मेले के दौरान लगती हैं, जिनका महिलाएं आनंद उठाती हैं। सहेलियों की बाड़ी में जाने की टिकट लगती है। आपको 20 रुपये की टिकट लेनी होगी। वहीं, अगर विदेशी लोगों यहां जा रहे हैं तो उन्हें 100 रुपये की टिकट लेनी होगी। सहेलियों की बाड़ी उदयपुर के पंचवटी में बनी है। उदयपुर तक आप ट्रेन या बस पर पहुंच सकते हैं। यहां पहुंचने के बाद सहेलियों की बाड़ी तक जाने के लिए टैक्सी या बस से ट्रैवल कर सकते हैं।

1000 बच्चों का बाप है 43 साल का शख्स, अब बाप बनने पर इन्हें देना होगा 91 लाख का जुर्माना!

किसी भी आदमी के लिए पिता बनने का एहसास बेहद खास होता है। जब एक पुरुष, पहली बार अपनी संतान को गोद में लेता है, तो वो कई तरह की भावनाओं को अपने अंदर महसूस करता है। पर नीदरलैंड का एक आदमी इस एहसास को इतनी बार महसूस कर चुका है, कि अब शायद उसे फर्क ही नहीं पड़ता! जिस आदमी की हम बात कर रहे हैं, वो 43 साल का है और लगभग 1000 बच्चों का बाप बन चुका है। उसने इतने ज्यादा बच्चे पैदा कर लिए हैं कि अब आलम ये है कि अगर उसने एक और बच्चा पैदा किया, तो उसे 91 लाख रुपये का जुर्माना चुकाना होगा।

जॉनथन मेयर पर नेटफ्लिक्स ने एक डॉक्यूमेंट्री बनाई है। इस शख्स के काफी चर्चे हैं। पर क्यों, इस शख्स ने ऐसा क्या किया है? दरअसल, जॉनथन 1-2 नहीं, बल्कि 1000 बच्चों के पिता हैं। उन्हें ठीक-ठीक याद भी नहीं है, हालांकि, वो अंदाजा लगाते हैं कि उनके करीब 1000 बच्चे तो अलग-अलग देशों में मौजूद हैं। नीदरलैंड के 43 वर्षीय जॉनथन ने डेली मेल से बात करते हुए कहा था कि वो अपनी जिंदगी में कुछ सार्थक और अर्थपूर्ण करना चाहता था, इस वजह से उसने इस तरह समाज की सेवा करने का फैसला किया। असल में जॉनथन एक स्पर्म डोनर रह चुके हैं जो अब रिटायर हो गए हैं। उन्होंने अलग-अलग देशों में रहने वाले सैकड़ों कपल्स को स्पर्म डोनेट किया, जिसकी मदद से वो माता-पिता बन सके। पर अब बच्चों को संख्या इतनी ज्यादा हो गई है, कि माता-पिता को ये डर लगने लगा है कि आगे चलकर कहीं उनके बच्चे, अंजाने में अपने ही सौतेले भाई-बहनों के साथ रिश्ते में न आ जाएं। जॉनथन एक पार्ट टाइम म्यूजिशियन और यूट्यूबर हैं। उन्होंने बताया कि वो अपने कई बच्चों को मिल चुके हैं। वो सभी खुश नजर आते हैं। उनमें से कई अपने सौतेले भाई-बहनों से मिल चुके हैं और उनके साथ छुट्टियां मनाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि उनके डोनर बच्चे जानते हैं कि वो उनके पिता हैं, वो जॉनथन का नाम जानते हैं। इसके अलावा जॉनथन ने ही बड़े ध्यान से स्पर्म डोनेट करन के लिए माता-पिता का चयन किया है। उनका दावा है कि वो एक ओपन आइडेंटिटी डोनर हैं। उनका दावा है कि इस तरह उन्होंने सुनिश्चित किया कि उनके बच्चे इनब्रीडिंग से बच सकें। जॉनथन जब 26 साल के थे, तब से स्पर्म डोनेशन कर रहे हैं। उनका आंकलन है कि उनके करीब 550 बच्चे हैं, हालांकि, लोगों का मानना है कि वो 1000 तक हैं। एक बार तो उन्होंने एक महिला को स्पर्म डोनेट करने के लिए ट्रडिशनल तरीका अपनाया, यानी उस महिला से संबंध स्थापित कर के उसे स्पर्म डोनेट किया था। द सन के अनुसार अब अगर जॉनथन 1 और बच्चा करते हैं, तो उन्हें जुर्माने के रूप में 91 लाख रुपये से ज्यादा चुकाने पड़ेंगे।

आउटसोर्सिंग एजेंसी बना एनटीए : जयराम

» कांग्रेस ने एनटीए चीफ पर उठाए सवाल

» कहा- मप्र में अध्यक्ष रहते संदिग्ध रहा इनका रिकॉर्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक केस पर जारी सियासी घमासान के बीच कांग्रेस ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) और इसके चीफ पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि ऐसा लगता है एनटीए का एकमात्र काम आउटसोर्सिंग करना है। इसके अध्यक्ष का मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रमुख के रूप में बेहद संदिग्ध रिकॉर्ड था। जयराम रमेश ने टीएमसी की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष के एक ट्वीट पर रिएक्ट करते हुए ये टिप्पणी की।

जयराम रमेश ने ये टिप्पणी ऐसे समय में की है जब बीते मई महीने में ही एनटीए चेयरमैन की जिम्मेदारी प्रदीप सिंह खरोला को सौंपी गई थी। टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने एक्स पर लेटर शेयर किया है। इसमें उन्होंने बताया कि मैंने शिक्षा मंत्रालय और

टीएमसी सांसद के लेटर पर रमेश ने किया रिएक्ट

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को एक पत्र लिखा है। इसमें मैंने कुछ सवाल उठाए हैं। मैंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से पूछा है कि आखिर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए), जो नीट सहित 17 प्रमुख परीक्षाएं आयोजित करती है, इसकी वेबसाइट अपने बारे में इतनी कम जानकारी क्यों देती है?

देश में मुन्ना भाई जैसे डॉक्टर हो रहे तैयार : चड्ढा

नीट-यूजीसी 2024 परीक्षा में हुई गड़बड़ियों को लेकर आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा में मोदी सरकार के घेरा। उन्होंने भारतीय शिक्षा प्रणाली से जुड़ी समस्याओं पर अपनी बात रखी। आप सांसद ने कहा,लाखों नीट अभ्यर्थी अनियमितताओं के कारण दुखी हैं। अगर ऐसी घटनाएं जारी रहीं तो हमें मुन्ना भाई एमबीबीएस जैसे डॉक्टर देखने को मिलेंगे। सरकार को नीट पेपर लीक की जांच करनी चाहिए और जिम्मेदार लोगों को दंडित करना चाहिए। राघव चड्ढा ने आगे कहा,बिगड़ती शिक्षा व्यवस्था का संकट हमारे देश को प्रभावित कर रहा है। यह व्यवस्था कभी हमारे देश का गौरव हुआ करती थी, लेकिन आज यह एक युद्ध का मैदान बन गई है, जहां हमारे बच्चे ज्ञान या अधिकार के लिए नहीं, बल्कि अपना अस्तित्व बचाने के लिए लड़ रहे हैं। आप सांसद ने कहा कि बहुत कम उम्र से ही हमारे छात्रों को कभी न खत्म होने वाली दौड़ में धकेल दिया जाता है और कुछ नया सीखने की इच्छा एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करने के दबाव से नीचे दब जाती है, क्योंकि बच्चों में सीखने की जिज्ञासा को फलने-फूलने देने की जगह हमारी शिक्षा प्रणाली उन्हें ये सिखा रही है कि उनकी योग्यता सिर्फ उनके द्वारा प्राप्त नंबरों, ग्रेड्स या रैंकों से ही मापी जाएगी।

एनटीए प्रमुख हैं प्रदीप सिंह खरोला

प्रदीप सिंह खरोला नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के नए चेयरमैन हैं। नीट पेपर लीक, यूजीसी नेट पेपर लीक मामले पर घमासान के बाद तत्कालीन एनटीए चीफ सुबोध कुमार जून महीने में हटा दिया गया था। उनकी जगह पर एनटीए का चेयरमैन प्रदीप सिंह खरोला की दी गई। खरोला कर्नाटक कैडर से 1985 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। 1961 में उनका जन्म हुआ। खरोला नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सेक्रेटरी और उससे पहले पर्यटन मंत्रालय के निदेशक भी रह चुके हैं। वो छत्तीसगढ़ लोकसेवा आयोग और मध्य प्रदेश लोकसेवा आयोग के भी अध्यक्ष रहे। आईएएस प्रदीप सिंह खरोला को ई-गवर्नेंस के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है।

सागरिका घोष ने धर्मेंद्र प्रधान को लिखा पत्र

सागरिका घोष ने शिक्षा मंत्रालय को लिखे पत्र में ये भी पूछा कि आखिर बोर्ड के सभी सदस्य कौन हैं? अधिकारी कौन हैं? एनटीए की वार्षिक रिपोर्ट कहां हैं? ऐसे कई सवाल पूछे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भविष्य की परीक्षाओं के लिए जनता का विश्वास जीतने के लिए एनटीए को अपनी वेबसाइट पर अपने बारे में अधिक जानकारी देनी चाहिए।

भाजपा अध्यक्ष बनने की खबरें अफवाह : देवेंद्र फडणवीस

» बोले- यह केवल मीडिया में चर्चा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बीजेपी जल्द ही पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति कर सकती है। इस तरह की चर्चा लगातार हो रही है क्योंकि जेपी नड्डा का कार्यकाल समाप्त हो गया है। जेपी नड्डा को मोदी 3.0 कैबिनेट में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री के साथ-साथ रसायन और उर्वरक मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है। अब रिपोर्ट्स से संकेत मिल रहा है कि पार्टी अपने नए अध्यक्ष का नाम तय करने के करीब है। इस तरह का दावा किया गया था कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को राष्ट्रीय पार्टी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की उम्मीद है।

हालांकि, देवेंद्र फडणवीस ने इसको पूरी तरह से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह चर्चा मीडिया द्वारा ही शुरू की गई है। यह केवल मीडिया में चर्चा है। लेकिन चर्चा जोरों पर है कि फडणवीस आने

वाले हफ्तों में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं और नई दिल्ली जा सकते हैं। मुलाकात के बाद फडणवीस परिवार को प्रधानमंत्री के साथ फोटो सेशन का भी मौका दिया गया। बीजेपी के सूत्रों ने बताया कि बैठक में पीएम मोदी और फडणवीस के बीच बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में देवेंद्र फडणवीसस को मुंबई से नई दिल्ली ले जाने के फैसले पर चर्चा हुई और अगले कुछ दिनों में पार्टी के भीतर की राय पर चर्चा की गई।

दिल्ली के आशा किरण शेल्टर होम में हुई 14 मौतों पर सियासत शुरू

» आप को सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं : मनोज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के रोहिणी इलाके में बने आशा किरण शेल्टर होम में 14 की लोगों की मौत हो गई। दिल्ली सरकार ने तत्काल मामले पर एक्शन लिया है और 48 घंटे के अंदर रिपोर्ट भी मांगी है। वहीं, इस मामले में भाजपा व आप में वार-पलटवार शुरू हो गया है। प्रवक्ता शहजाद पूनावाला, भाजपा सांसद मनोज तिवारी और अन्य नेताओं ने प्रतिक्रिया दी है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, पिछले कुछ महीनों में यहां 27 मौतें हुई हैं। इसका कारण गंदा पानी, संक्रमण, तपेदिक और निमोनिया लग रहा है।

ऐसी कई खबरें मीडिया में चल रही हैं। सवाल यह है यह किसकी लापरवाही है? यह आप सरकार की आपराधिक लापरवाही है, क्योंकि यह आश्रय गृह चलाना उनका काम है। इसका मतलब है कि इसमें भ्रष्टाचार

के साथ-साथ आपराधिक लापरवाही भी है, जिसके कारण 27 लोगों की जान चली गई। शहजाद पूनावाला ने कहा, मैंने वहां एक टीम भेजी है। मुझे लगता है कि एनएचआरसी को भी इस मामले का संज्ञान लेना चाहिए। वहीं भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा, दिल्ली में सांस लेना मुश्किल है, खबरें पढ़ना मुश्किल है...आशा किरण में मानसिक रूप से विक्षिप्त लोगों को रखा जाता है। जानकारी मिली है कि बच्चों को ठीक से खाना नहीं दिया जाता। वहां अगर बच्चे बीमार पड़ जाएं तो उन्हें इलाज नहीं मिलता। आम आदमी पार्टी को अपने पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। आए दिन ऐसी खबरें आती हैं..आम आदमी पार्टी जो कहती है वो करती कहां है? आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली को बेहद दुखद स्थिति में पहुंचा दिया है। दिल्ली को बचाने के लिए ऐसे लोगों को पद से हटाना बहुत जरूरी है।

भाजपा और आप में वार-पलटवार जारी

न तो उचित स्टाफ है और न ही उचित डॉक्टर : मालीवाल

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने कहा, पिछले 20 दिनों में दिल्ली सरकार द्वारा संचालित आशा किरण आश्रय गृह में 13 मौतें हुई हैं। कारण अभी तक ज्ञात नहीं हैं..जब मैं डीसीडब्ल्यू में थी तो मैंने स्थिति का निरीक्षण किया था। यहां स्थिति बहुत खराब है, क्योंकि न तो उचित स्टाफ है और न ही उचित डॉक्टर हैं। हमने उस समय एक रिपोर्ट बनाई और दिल्ली सरकार को सौंपी, लेकिन उस समय कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इंडिया-श्रीलंका का पहला वनडे बराबरी पर छूटा

» रोहित के अलावा नहीं चला भारत का कोई बल्लेबाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पल्लेकल। कप्तान रोहित शर्मा (58 रन) द्वारा दिलाई गई तेज शुरूआत के बावजूद भारतीय टीम और श्रीलंका के बीच पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच टाई रहा। श्रीलंका का शीर्ष क्रम भारत की सटीक गेंदबाजी के सामने चरमरा गया लेकिन सलामी बल्लेबाज पाथुम निसांका (56 रन) और निचले क्रम में दुनिथ वेलालागे (नाबाद 67 रन) के संयमित अर्धशतकों की मदद से मेजबान टीम ने आठ विकेट पर 230 रन बनाये।

इसके जवाब में पूरी भारतीय टीम श्रीलंका के स्पिनरों के सामने 47.5 ओवर में 230 रन के स्कोर पर सिमट गई जिससे मैच टाई रहा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच अंशुमन गायकवाड़ की याद में भारतीय क्रिकेटर बांह पर काली पट्टी बांधकर खेले। गायकवाड़ का बुधवार को निधन हो गया। वह रक्त कैंसर से पीड़ित थे। श्रीलंका के स्पिनरों ने वानिंदु हसारंगा की अगुआई में रन गति पर लगाम कसते हुए लगातार अंतराल पर विकेट झटके। हसारंगा ने 58 रन देकर तीन, कप्तान चरिथ असालंका ने 30 रन देकर तीन और दुनिथ वेलालागे ने 39 रन देकर दो विकेट झटके। अकिला धनंजय ने 40 रन देकर एक विकेट प्राप्त किया। रोहित और शुभमन गिल (16 रन) ने पहले विकेट के लिए 76 गेंद में 75 रन की साझेदारी करके भारत को अच्छी शुरूआत कराई। लेकिन वेलालागे ने गिल को विकेटकीपर के हाथों कैच आउट कराकर भारत का पहला विकेट झटका। पर एक ओवर बाद रोहित भी इसी गेंदबाज पर पगबाधा आउट होकर पवेलियन पहुंच गये।

भारतीय गेंदबाजों का प्रयास अच्छा रहा

भारतीय गेंदबाजों का प्रयास भी अच्छा रहा जिन्होंने श्रीलंकाई बल्लेबाजों को खराब शॉट खेलने पर मजबूर किया। मेंडिस को दुबे ने पगबाधा आउट किया। श्रीलंका का स्कोर दो विकेट पर 46 रन से 27वें ओवर में पांच विकेट पर 101 रन हो गया। भारत के लिए अक्षर पटेल (33 रन देकर दो विकेट) और अर्शदीप सिंह ने दो दो जबकि कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज और शिवम दुबे ने एक एक विकेट झटका।

अब अहिमामऊ उजाड़ने की तैयारी!

150 मकानों पर आवास विकास ने चस्पा की नोटिस

घरों को बचाने के लिए बुलडोजर के सामने आईं महिलाएं

विरोध के बाद एक हफ्ते की मोहलत देकर लौटी टीम, दहशत में निवासी

□□□ मो. शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में एकबार फिर बुलडोजर ने लोगों को डरा दिया है। अबकि बार ये बुलडोजर लखनऊ के अहिमामऊ इलाके में पहुंचा था। दरअसल, शनिवार को अचानक आवास विकास की टीम बुलडोजर लेकर वहां पहुंच गई। ज्ञात हो यहां 150 मकान पर आवास विकास ने नोटिस चस्पा की थी। बताया गया कि यह जमीन आवास विकास अपने कब्जे में लेगा।

टीम जैसे ही इलाके में पहुंची बड़ी संख्या में महिलाएं बुलडोजर के सामने आए गई। उनके साथ इलाके के लोग भी एकत्र हो गए। आवास विकास, पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू हो गई। स्थिति यह थी कि करीब डेढ़ घंटे के विरोध के बाद टीम को वापस जाना पड़ा। हालांकि इस दौरान आवास विकास के इंजीनियरों ने 7 दिन बाद फिर से कार्रवाई की बात की है।

सबके मकान की रजिस्ट्री और दाखिल खारिज है

यहां रहने वाले स्थानीय निवासी और सामाजिक कार्यकर्ता राजेश सिंह ने बताया कि वह लोग 4 साल से यहां रहते आ रहे है। सबके मकान की रजिस्ट्री और दाखिल खारिज है। ऐसे में आवास विकास महज एक नोटिस चस्पा कर अपना दावा कैसे पेश कर सकता है। उन्होंने बताया कि इसको लेकर जब मौके पर आए आवास विकास के इंजीनियरों से बात की गई तो कोई कागज नहीं दिखा पाए। एक्सईएन विशाल पांडेय और उनकी पूरी टीम को वापस जाना पड़ा।

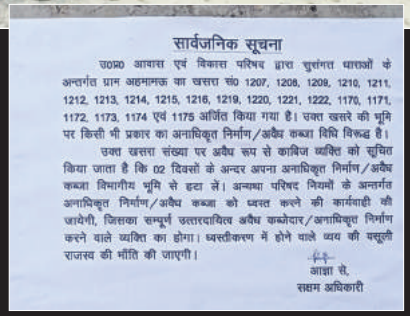

सार्वजनिक सूचना

उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद द्वारा चुसंगत धाराओं के अन्तर्गत ग्राम अहमामऊ का खसरा सं0 1207, 1208, 1209, 1210, 1211, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216, 1219, 1220, 1221, 1222, 1170, 1171, 1172, 1173, 1174 एवं 1175 अर्जित किया गया है। उक्त खसरे की भूमि पर किसी भी प्रकार का अनाधिकृत निर्माण/अवैध कब्जा विधि विरूद्ध है।

उक्त खसरा संख्या पर अवैध रूप से काबिज व्यक्ति को सूचित किया जाता है कि 02 दिवसों के अन्दर अपना अनाधिकृत निर्माण/अवैध कब्जा निम्नांकित भूमि से हटा लें। अन्यथा परिषद नियमों के अन्तर्गत अनाधिकृत निर्माण/अवैध कब्जा को ध्वस्त करने की कार्यवाही की जायेगी, जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व अवैध काब्जेदार/अनाधिकृत निर्माण करने वाले व्यक्ति का होगा। ध्वस्तीकरण में होने वाले व्यय की वसूली राजस्व की भाँति की जाएगी।

आज्ञा से,
सक्षम अधिकारी

निजी प्रॉपर्टी डीलर ने जमीन बेची है

यहां निजी प्रॉपर्टी डीलर आलोक यादव ने प्लाटिंग कर जमीन बेची है। वैसे तो यह सोसाइटी रेरा और बाकी मानक के खिलाफ है लेकिन लोगों के पास रजिस्ट्री और दाखिल खारिज के पर्याप्त कागज मौजूद है। दावा किया जा रहा है कि जिन 150 मकानों को नोटिस दी गई है। उसमें सभी के पास नोटिस है।

बिना महिला पुलिस के पहुंची थी टीम

अभियान के दौरान पुलिस की टीम में महिला कर्मचारी नहीं थी। ऐसे में जब महिलाएं बुलडोजर के सामने आई तो उनको हटाने वाला भी कोई नहीं था। इलाके के करीब 300 लोग आवास विकास और पुलिस प्रशासन पर भारी पड़े। लोगों ने इस स्तर पर विरोध किया कि आवास विकास की टीम के पास पीछे हटने के अलावा कोई चारा नहीं था।

तंदूर वाले होटलों पर गिरेगी गाज

प्रदूषण रोकने के लिए नगर निगम ने शुरू की तैयारी

» गैस आधारित तंदूर बांटने की है योजना

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सर्दी आते ही शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब हो जाता है। इससे राजधानी का प्रदूषण लेवल भी बढ़ जाता है। इसी को रोकने के लिए नगर निगम ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। लखनऊ नगर निगम शहर के होटल और रेस्टोरेंट में कोयला वाले तंदूर पर रोक लगाने जा रहा है।

वायु प्रदूषण के नियंत्रण व एनजीटी की सख्ती के बाद होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों में चलने वाले तंदूर की भट्टियों पर रोक लगाया जाएगा। इसके लिए नगर निगम तंदूर का इस्तेमाल करने वाले होटल व रेस्टोरेंट का सर्वे करा रहा है। इसके बाद होटलों के मालिकों को नोटिस जारी कर लकड़ी और कोयला आधारित तंदूर का उपयोग बंद कर इलेक्ट्रिक या एलपीजी वाले तंदूर का इस्तेमाल किए जाने के निर्देश दिए जाएंगे। पहले चरण में लालबाग व आस-पास के क्षेत्र में इसकी शुरुआत की जाएगी।

ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टेरी) की ओर से लखनऊ शहर के वायु प्रदूषण स्रोत पर होटल और रेस्टोरेंट की 44 इकाइयों का सर्वेक्षण किया गया। संस्था के अध्ययन में सामने आया है कि वायु प्रदूषण में प्रमुख स्रोतों के अलावा, होटल और रेस्टोरेंट क्षेत्रों और सड़क के किनारे भोजनालयों से वातावरण में पीएम 10 और पीएम 2.5 की मात्रा बढ़ रही है। असल में होटल और रेस्टोरेंट में पारंपरिक या कोयला आधारित तंदूर का उपयोग किया जाता है। इसकी वजह से धुआं उत्पन्न होता है, जिससे वायु प्रदूषण होता है। नगर निगम को सौंपी गई रिपोर्ट के अनुसार तंदूर में इस्तेमाल होने वाले कोयला और लकड़ी के धुएं से प्रदूषण तो फैलता ही है, साथ ही तंदूर की रोटियों मे कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा भी ज्यादा होती है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती है लिहाजा तंदूर के बजाय अब इलेक्ट्रिक या एलपीजी आधारित गैस का उपयोग किया जाना जरूरी है।

200 गैस तंदूर फ्री देगी टेरी

होटल और रेस्टोरेंट में पारंपरिक कोयले से चलने वाले तंदूर के लिए शहर के लालबाग और सेंट्रल स्कूल क्षेत्र को बेसलाइन सर्वेक्षण करने के लिए चुना गया है। संस्था की ओर से प्रारंभिक चरण में 200 होटल व रेस्टोरेंट को निशुल्क गैस व इलेक्ट्रिक आधारित तंदूर का वितरण किया जाएगा। इसके लिए कार्यक्रम की रूपरेखा भी तैयार कर ली गई है।

गैस तंदूर से 95 प्रतिशत कम होगा पीएम 2.5

सर्वेक्षण विश्लेषण के अनुसार, कोयले से चलने वाले तंदूर के उपयोग से पीएम 2.5 उत्सर्जन क्रमशः 15, 35 और 35 से अधिक बैठने की क्षमता वाले रेस्टोरेंट के लिए 101, 141 और 202 ग्राम प्रति दिन होने का अनुमान लगाया गया है। सर्वे में सामने आया कि पारंपरिक कोयले से चलने वाले तंदूर को गैस तंदूर से बदलने पर पीएम 2.5 के उत्सर्जन में 95त्न की भारी कमी आने की उम्मीद है, जिससे महत्वपूर्ण वायु गुणवत्ता में सुधार होगा।

पेरिस नहीं जा सकेंगे सीएम भगवंत मान

» हॉकी टीम की हौसलाअफजाई करने जाना चाहते थे सीएम

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को पंजाब के सीएम भगवंत मान को पेरिस जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। विदेश मंत्रालय ने अनुमति देने से इनकार करने के पीछे सुरक्षा कारणों का हवाला दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय को शुक्रवार देर शाम यात्रा की अनुमति नहीं मिलने की सूचना मिली।

गौरतलब है कि भगवंत मान भारतीय हॉकी टीम का मनोबल बढ़ाने के लिए पेरिस ओलंपिक जाना चाहते थे। उन्हें आज रवाना होना था, लेकिन अनुमति नहीं मिलने के कारण वे पेरिस नहीं जा पाएंगे। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम का समर्थन करने के लिए पेरिस जाने की योजना के लिए मंजूरी नहीं दी है।

सीएम मान, जिनके पास लाल रंग का राजनयिक पासपोर्ट है, जो आमतौर पर वीजा प्रक्रिया में तेजी लाने की अनुमति देता है, ने हॉकी टीम का उत्साह बढ़ाने के लिए पेरिस की अपनी यात्रा के लिए गृह मंत्रालय से राजनीतिक मंजूरी मांगी थी, जो 4 अगस्त को चल रहे ओलंपिक में अपना पहला क्वार्टर फाइनल मैच खेलने के लिए तैयार है। पंजाब से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के होने के कारण, मान व्यक्तिगत रूप से अपना समर्थन दिखाने के लिए उत्सुक थे, लेकिन केंद्र ने जेड+ सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति के रूप में उनकी स्थिति से संबंधित सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया।

विदेश मंत्रालय ने सुरक्षा कारणों का दिया हवाला

केंद्रीय मंत्रालय का निर्णय अंतरराष्ट्रीय यात्रा के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े सुरक्षा उपायों को दर्शाता है, जिसने अंततः उन्हें यात्रा करने से रोक दिया। पंजाब के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पेरिस में बहुत अधिक भीड़ है क्योंकि कई लोग ओलंपिक के लिए शहर में उमड़ पड़े हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री को विभिन्न खतरों के मद्देनजर अधिकतम सुरक्षा की आवश्यकता है, इसलिए गृह मंत्रालय ने यात्रा के लिए मंजूरी नहीं दी है। गृह मंत्रालय के अनुसार कम समय में जेड+ सुरक्षा की व्यवस्था करना संभव नहीं था।

वायनाड भूस्खलन में मृतकों का आंकड़ा पहुंचा 300 पार

» शवों को दफनाने के लिए दिशा-निर्देश जारी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। केरल के वायनाड में हुए भूस्खलन के बाद राहत और बचाव कार्यों का आज पांचवां दिन है। अब तक मृतकों का आंकड़ा 308 हो चुका है। अभी भी शवों की तलाश जारी है।

भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल विकास राणा ने बताया कि आज भी कल की ही तरह विभिन्न जोन्स के लिए अलग-अलग टीमें बनाई जाएंगी। टीमों के साथ वैज्ञानिक और स्निफर डॉग्स भी मौजूद रहेंगे। सेना के अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोग भी राहत और बचाव कार्य में मदद कर रहे हैं।

पिछले दो दिनों से हम नदी क्षेत्र पर केंद्रित हैं। पुलिस अधिकारियों के साथ-साथ वन, अग्निशमन और तट रक्षक अपना काम कर रहे हैं। हमारे पुलिस हेलीकॉप्टर और ड्रोन का इस्तेमाल सर्वेक्षण करने के लिए किया जा रहा है। आज हमें उस सर्च में एक शव मिला है। अभी तक जिला प्रशासन के अनुसार, उन्हें करीब 400 लोगों के लापता होने की सूचना मिली है, हमारे पास ज्यादा डेटा नहीं है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।